

प्रेषक,

टी0के0 पन्त,
संयुक्तसचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवामे,

प्रभारी, मुख्य अभियन्ता स्तर-1,
लो0नि0वि0, देहरादून ।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक 7 फरवरी, 2005

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-2005 में निर्माणाधीन मार्ग/सेतु के कार्यों हेतु प्रथम अनुपूरक में प्राविधानित धनराशि की स्वीकृति ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव वित्त अनुभाग-1 के पत्र सं0-107(1)/XXV11(1)/2005 दिनांक 31 जनवरी, 2005 के अनुपालन में एवं शासनादेश संख्या- 483/111(2)/04-11(बजट)/2004 दिनांक 18 मई, 2004, संख्या-1578/111(2)/04-11(बजट) दिनांक 06 सितम्बर, 2004 एवं सं0-2604/111-2/04-11(बजट) दिनांक 29 नवम्बर, 2004 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में निर्माणाधीन मार्ग/सेतु के कार्यों हेतु आय-व्ययक में प्राविधानित रू0 20.00 करोड़ (रू0 बीस करोड़ मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वहन में रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि का सी.सी. एल. के आधार पर कोषागार से आहरण किया जायेगा यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि स्वीकृत धनराशि का कार्यवार/खण्डवार आबंटन ऐसी चालू योजनाओं पर शासन की सहमति के प्रथमतः किया जायेगा, जिसमें 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है, जिन खण्डों में 75 प्रतिशत या उससे अधिक के कार्य अवशेष नहीं हैं, उन खण्डों में 50 प्रतिशत से अधिक के कार्य किये जायेगे, कार्यवार/खण्डवार आबंटन कर संकलित प्रस्ताव शासन को एक सप्ताह में उपलब्ध कराया जायेगा। अग्रेत्तर त्रैमास की सी.सी.एल. जारी करने से पूर्व यह अवश्य सुनिश्चित कर लिया जाय कि पूर्व में सी.सी.एल. द्वारा निर्मित धनराशि का संबंधित खण्ड/प्रखण्ड द्वारा पूर्ण उपयोग कर ली गई हों।

3- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्य पर व्यय करने से पूर्व प्रत्येक कार्य के आगणनों/पुनरीक्षित आगणनों पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ-साथ विस्तृत आगणनों पर सक्षम प्राधिकारी की तकनीकी स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय। कार्य करते समय टैण्डर/कुटेशन विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

4- कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।

5- स्वीकृति के एक माह के अन्दर अब तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत कार्यों का विवरण एवं वित्तीय तथा भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। वर्ष 2004-05 में स्वीकृत धनराशि के विपरीत कार्यों का विवरण व भौतिक प्रगति 31 मार्च, 2005 के प्रथम सप्ताह में उपलब्ध करा दी जायेगी और स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2005 तक पूर्ण उपयोग कर वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

6- स्वीकृत की जा रही धनराशि के व्यय के संबंध में शेष सभी शर्तें ऊपर उल्लिखित शासनादेश दिनांक 6.9.2004 व 29.11.2004 के अनुसार ही रहेगी।

क्रमशः...2/..

NIC
11/23

-2-

- 7- उक्त स्वीकृत धनराशि का कार्यवार आबंटन कर वित्तीय व भौतिक लक्ष्यों का विवरण प्राथमिकता के आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा ।
- 8- इस संबंध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-22 लेखाशीर्षक 5054 सड़को एवं सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय -04 जिला तथा अन्य सड़के-आयोजनागत-800 -अन्य व्यय -03-राज्य सेक्टर-01 चालू निर्माण कार्य-24 वृहत्त निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा ।
- 9- यह आदेश वित्त विभाग के अ.शा. सं०-70/ XX V11/ (3)/2005 दिनांक 3 फरवरी 2005 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय

(टी०के० पन्त)
संयुक्त सचिव ।

संख्या-247 (1)/ 111(2)/04, तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार (लेखा प्रथम) उत्तरांचल, इलाहाबाद / देहरादून ।
- 2- आयुक्त गढ़वाल / कुमायू मंडल, पौड़ी / नैनीताल ।
- 3- समस्त जिलाधिकारी / कोषाधिकारी, उत्तरांचल ।
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून ।
- 5- निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तरांचल, देहरादून ।
- 6- मुख्य अभियन्ता, गढ़वाल / कुमायू क्षेत्र, लो० नि० वि०, पौड़ी / अल्मोडा ।
- 7- वित्त अनुभाग-3 / वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन ।
- 8- लोक निर्माण अनुभाग-1, उत्तरांचल शासन / गार्ड बुक ।

आज्ञा से

(टी०के० पन्त)
संयुक्त सचिव ।